

ग्रसाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—सण्ड 3—उपलब्ड (ii) PART II—Section 3—Sub-section (li)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 276]

मई बिरुली, बृहस्पतिवार, जून 1, 1972/ब्येव्ड 11, 1894

No. 276

NEW DRLHI, THURSDAY, JUNE 1, 1972/JYAISTHA 11, 1894

इस भाग में भिन्न पृथ्ठ संख्या वी जाती है जिससे कि यह ग्रलग संकलन के रूप म रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

MINISTRY OF RAILWAYS

(Railway Board)

NCTIFICATION

New Delhi, the 30th May 1972

S.O. 398(E).—In exercise of the powers conferred by Section 82-B of the Indian Railways Act, 1890 (9 of 1890), read with sub-rule (1) of rule 4 of the Railway Accidents (Compensation) Rules, 1950, the Central Government hereby makes the following further amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Railways (Railway Board) No. 893-TGIV-58/3, dated the 28th January, 1960, namely:—

In the Schedule to the said notification in column 2 against the entry Mudhya Pradesh in column 1, after the entry 18, the following shall be inserted, namely:—

"19. District and Sessions Judge. Bilaspur (Headquarters at Bilaspur)".

[No. 71-TGH/1026/25(XH).]

H. F. PINTO, Secy. Railway Board. रेल मंत्रालय (रेलवे बॉर्ड) ग्राधिसुवना

तयी दिल्ली, 30 मई, 1972

्स॰ श्रो॰ 398 (श्र). — रेल दुर्बंडना (प्रितिकर) नियम 1950 के नियम 4 के उपनियम (1) के साथ पंडित भारतीय रेज प्रधिनियम, 1890 (1890 का 9) की धारा 82-ख द्वारा प्रवत्त धिक्सियों का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार एउद्धारा, भारत सरकार के रेल मंजालय (रेलबे बोर्ड) की 28 जनवरी, 1960 की प्रधिसूचना सं० 893 टीजी-4/58/3 में प्रागे घौर निम्नलिखित संशोधन करनी है, प्रधात्—

उक्त श्रिधिसूचना की श्रनुसूची के कालम 2 के इन्दराज "मध्य प्रदेश" के सामने कालम 1 में उन्दराज 18 के बाद निम्नलिखित की श्रन्तःस्थानित किया जायेगा, ग्रथीत् ---

"!9-जिला और सक त्यायाश्रीण, जिलास_्र (मृज्यालय खिलासपुर में)"

[सं॰ 71/टीजी-2/1026/25/(12)] एच॰ एफ़॰ पिंटी, सजिब, रेलवे बोर्ड ।